पत्र संख्या-293/पी०एस०/सी०एम०/2026

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन,
लखनऊ -226001

दिनांक :
13 JUL 2026

संदेश

।।श्री गोरक्षनाथो विजयतेतराम।।

मुझे यह जानकर हर्ष का अनुभव हो रहा है कि शिवावतारी महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ जी के पावन जीवन, उनकी लोककल्याणकारी शिक्षा तथा कालजयी आध्यात्मिक विरासत पर आधारित ग्रंथ 'अद्भुत गोरखनाथ कथा काव्य' का प्रकाशन होने जा रहा है। इस पुण्य प्रयास के लिए ग्रंथ के रचयिता डॉ. यतेंद्र शर्मा जी, श्री राम कथा संस्थान, पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) तथा इस महनीय कार्य से जुड़े सभी सहयोगियों को मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ जी ने भारतीय आध्यात्मिक परम्परा को योग, आत्मानुशासन, समरसता, सेवा और लोकमंगल की ऐसी जीवनदृष्टि प्रदान की, जिसकी प्रासंगिकता आज भी अक्षुण्ण है। उन्होंने समाज को संकीर्णताओं से ऊपर उठकर आत्मबोध, कर्तव्य, करुणा और राष्ट्रधर्म का संदेश दिया। उनकी साधना केवल व्यक्तिगत मोक्ष तक सीमित नहीं थी, बल्कि समस्त मानवता के कल्याण और समाज के नैतिक उत्थान के लिए समर्पित थी। नाथ परम्परा ने भारतीय संस्कृति को आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ साहस, संगठन और लोककल्याण की अमूल्य प्रेरणा प्रदान की है।

आज जब विश्व भारतीय ज्ञान परम्परा और योग-दर्शन की ओर नवीन आशा के साथ देख रहा है, तब महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ जी के जीवन एवं दर्शन पर आधारित ऐसे ग्रंथों का प्रकाशन अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह केवल एक साहित्यिक कृति नहीं, अपितु हमारी सांस्कृतिक स्मृति, आध्यात्मिक विरासत और सनातन जीवन-मूल्यों को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने का एक सार्थक सेतु है।

यह प्रशंसनीय है कि सुदूर विदेश की धरती पर रहकर श्री राम कथा संस्थान, पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म, हिन्दी भाषा और आध्यात्मिक साहित्य के प्रचार-प्रसार का कार्य कर रहा है। यह प्रयास विश्वभर में भारतीय संस्कृति के प्रति श्रद्धा, आत्मीयता और जागरूकता को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

मुझे विश्वास है कि 'अद्भुत गोरखनाथ कथा काव्य' श्रद्धालुओं, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों तथा सामान्य पाठकों के लिए समान रूप से प्रेरणास्पद सिद्ध होगा। यह ग्रंथ महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ जी के दिव्य व्यक्तित्व एवं उनके शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुँचाते हुए नाथ परम्परा की गौरवशाली विरासत के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मैं पुनः इस पुण्य प्रकाशन के लिए डॉ. यतेंद्र शर्मा जी, श्री राम कथा संस्थान, पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) तथा इस कार्य से जुड़े सभी सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ जी की असीम कृपा से यह ग्रंथ व्यापक जनस्वीकृति प्राप्त करे, जनमानस में आध्यात्मिक चेतना का आलोक प्रसारित करे।

मेरी हार्दिक शुभकामनाएं!

(योगी आदित्यनाथ)

दूरभाष : 0522-2289017 / 2289010 / 2289167 फैक्स - 0522-2239234 ईमेल - cmup@nic.in